# हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (JICA वित्तपोषित)

# संवाद पत्र

अंक 16 | अगस्त 2025

## इस अंक में...


- जाइका इंडिया ने सराहे हिमाचल में वानिकी परियोजना के कार्य
- कोटखाई में होगी औषधीय पौधों की खेती
- वानिकी परियोजना करेगी 140 नई वीएफडीएस का गठन

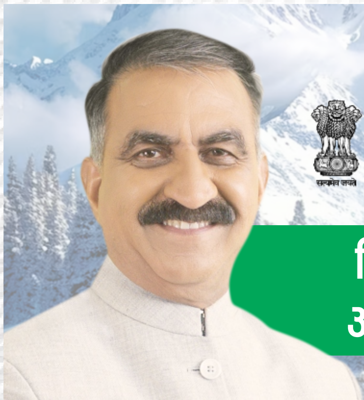

# हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना (JICA वित्तपोषित)

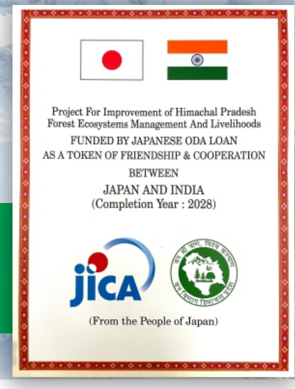


## हिमाचल प्रदेश सम्पूर्ण लक्ष्यः

हिमाचल प्रदेश के चयनित क्षेत्रों में वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं संवर्धन करना, जिससे पर्यावरण एवं सतत सामाजिक.आर्थिक विकास में योगदान मिल सके।

## परियोजना कार्यान्वयन क्षेत्रः

यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के 7 जिलों बिलासपुर, कांगड़ा, किन्नौर, मंडी, लाहौल-स्पीति, शिमला और कुल्लू के 9 वृतों, 22 वन मंडलों और 72 वन परिक्षेत्रों में कार्यान्वित की जा रही है। यह परियोजना हिमाचल प्रदेश वन विभाग के सौजन्य से गठित ग्राम वन विकास समितियों और जैव विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश सोसायटी अधिनियम-2006 के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त सोसाइटी द्वारा कार्यान्वित की जा रही है, जिसका नाम हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना के रूप में नामित किया गया।

JICA
HP JICA FORESTRY PROJECT

## परियोजना की लागत एवं अवधिः

इस परियोजना की कुल लागत 800 करोड़ रुपये है और अवधि 10 वर्ष यानी 2018 से 2028 तक है।

## परियोजना का ध्येयः

परियोजना क्षेत्र में वन पारितंत्रों का सुनियोजित कार्य-कलापों द्वारा बेहतर प्रबंधन प्रदान करना, जिससे कि वनों में वृद्धि हो, जैव विविधता का संरक्षण होए समुदायों की आजीविका में सुधार एवं संस्थागत क्षमता का सुदृढ़िकरण हो।

## परियोजना के घटकः

1. सतत् वन पारिस्थिति तंत्र प्रबंधन।
2. जैव विविधता संरक्षण।
3. आजीविका सुधार सहयोग।
4. संस्थागत क्षमता सुदृढिकरण।

## परियोजना की मुख्य गतिविधियाः

- 460 ग्राम वन विकास समितियां और जैव विविधता प्रबंधन उप समितियों का चयन एवं उनका गठन किया गया।
- 459 सूक्ष्म विकास योजनाएं तैयार की गई।
- 908 स्वयं सहायता समूह गठित किए गए जिनमें से 700 से अधिक स्वयं सहायता समूह पूर्ण रूप से महिला संचालित हैं।
- परियोजना द्वारा स्वयं सहायता समूहों को अनुदान के रूप में 1-1 लाख रुपये की राशि अपनी आजीविका संवर्धन कार्यों को गति देने के लिए दी गई।
- स्वयं सहायता समूहों द्वारा अपने व्यावसाय के सुनियोजित तरीके से चलाने के लिए परियोजना के सौजन्य से 885 व्यावसायिक योजनाएं तैयार की गई।
- ग्राम वन विकास समितियों और जैव विविधता प्रबंधन समितियों के लिए परियोजना जागरुकता कार्यशालाएं, कौशल आधारित प्रशिक्षण समय-समय परआयोजित किए जाते हैं। अब तक 880 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को कौशल आधारित गतिविधियों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- ग्राम वन विकास समितियों और जैव विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से परियोजना द्वारा सहभागी वन प्रबंधन एवं विभागीय स्तर पर अब तक 8100 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण किया गया।
- मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के अंतर्गत प्रदेश में 100 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण किया गया।
- पौधशाला विकास योजना के तहत परियोजना द्वारा 72 विभागीय पौधशालाओं का सुदृढ़ीकरण किया गया है।
- चौपाल वन मंडल में परियोजना द्वारा अत्याधुनिक तकनीक से लैस नर्सरी संचालित की गई है, जिससे पौधरोपण एवं संरक्षण का कार्य वैज्ञानिक यांत्रिक तकनीक से किया जा रहा है।
- जड़ी-बूटी प्रकोष्ठ द्वारा राज्य के परियोजना क्षेत्रों में औषधीय पौधों की व्यावसायिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- स्पीति के अतिदुर्गम क्षेत्र देमुल गांव को जौ की थ्रेशिंग के लिए पायलट आधार पर डीजल संचालित दो थ्रेशिंग मशीनें वितरित की गई।

श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा (हि.प्र.व.से)
परियोजना निदेशक

परियोजना कार्यालयः मुख्य परियोजना निदेशक, टुटू शिमला -11 हिमाचल प्रदेश । ईमेल : cpdjica2018hpfd@gmail.com । फ़ोन नंबर : 0177-2838217 । वेबसाइट : https://jicahpforestryproject.com

# जाइका इंडिया ने सराहे हिमाचल में वानिकी परियोजना के कार्य

- मध्यावधि समीक्षा के लिए मिशन मेंबर्स ने 5 से 9 मई तक किया हिमाचल का दौरा
- चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स विनीत सरीन ने स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से किया सीधा संवाद

**आरपी नेगी**
मीडिया स्पेशलिस्ट

जाइका वानिकी परियोजना की मध्यावधि समीक्षा करने के लिए हिमाचल पहुंची जाइका इंडिया की टीम ने प्रदेश में हो रहे वानिकी परियोजना के कार्यों की सराहना की। यह टीम 5 से 9 मई 2025 तक कुल्लू और मंडी जिले के भिन्न–भिन्न स्थानों पर पहुंची।

मध्यावधि समीक्षा के मिशन मेंबर एवं जाइका इंडिया के चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स श्री विनीत सरीन और जाइका इंडिया की प्रोजेक्ट फार्मूलेशन एडवाइज़र युकारी इनागकी 5 मई को कुल्लू पहुंचे, जहां पर परियोजना और विभाग के अधिकारियों ने उनका भव्य स्वागत किया। छह मई 2025 को कुल्लू के मोहल स्थित नेचर पार्क में आयोजित जाइका मेले का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ पूर्व मुख्य संसदीय सचिव एवं कुल्लू के स्थानीय विधायक श्री सुंदर सिंह ठाकुर ने किया। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए श्री विनीत सरीन ने कहा कि हिमाचल में यह परियोजना 2018 में आई थी और इसकी अवधि 2028 तक है। हिमाचल प्रदेश में अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करने के बाद अगले चरण के बारे बता पाएंगे। श्री विनीत सरीन ने कहा कि यह परियोजना हिमाचल प्रदेश में 460 ग्राम वन विकास समितियों और 920 स्वयं सहायता समूहों को सहायता कर रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आजीविका सुधार, महिला सशक्तिकरण और वन तंत्र प्रबंधन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हो रहे हैं।

कुल्लू के मोहल स्थित नेचर पार्क में आयोजित जाइका मेले की सराहना करते हुए विनीत सरीन ने कहा कि स्वयं सहायता समूह बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। उनके उत्पादों को देश के बड़े शहरों में बिक्री के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। मेले के बाद यह टीम बल एक और दो में हुए पौधरोपण कार्यों का जायजा लिया।

उसके पश्चात मिशन मेंबर्स को ऐतिहासिक पर्यटक स्थल काइसधार ने अपनी ओर खींच लिया और श्री विनीत सरीन और युकारी इनागकी ने ई–कार्ट के माध्यम से प्रकृति के नजारे का लुत्फ उठाया। काइसधार से वापस लौटते ही परिधि गृह कुल्लू में मिशन मेंबर्स ने स्थानीय विधायक श्री सुंदर सिंह ठाकुर के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर बैठक की।

## इनागकी ने कार्यो को किया कैमरे में कैद लोगों के बीच पहुंचे विनीत सरीन

7 मई 2025 को जाइका इंडिया की टीम जय मां दश्मीवारदा देव वन काइस पहुंची जहां बीएमसी सब कमेटी के सदस्यों से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर मिशन मेंबर्स में जाइका इंडिया की प्रोजेक्ट फार्मूलेशन एडवाइज़र युकारी इनागकी ने यहां हुए कार्यों को अपने कैमरे में कैद किया। चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स श्री विनीत सरीन ने डुगीलग में ग्राम वन विकास समितियों और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से संवाद किया और उनके कार्यों की तारीफ की। मिशन मेंबर्स में जाइका इंडिया की प्रोजेक्ट फार्मूलेशन एडवाइज़र युकारी इनागकी भी शामिल हैं। इस अवसर पर वन बल प्रमुख श्री समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नंद

शर्मा, निदेशक जड़ी–बूटी सैल डा. एसके काप्टा, अरण्यपाल कुल्लू श्री संदीप शर्मा, वन मंडलाधिकारी कुल्लू श्री एंजल चौहान, वन मंडलाधिकारी वण्यप्राणी मंडल कुल्लू श्री राजेश शर्मा और अतिरिक्त परियोजना निदेशक श्री हेमराज भारद्वाज भी उपस्थित रहे।

# बेहतरीन कार्य करने वाले वीएफडीएस-एसएचजी हुए सम्मानित

जाइका वानिकी परियोजना के अंतर्गत बेहतरीन कार्य करने वाले स्वयं सहायता समूहों और ग्राम वन विकास समितियों को 6 मई 2025 को जाइका मेले के अवसर पर पुरस्कार से नवाजा गया। जाइका इंडिया के चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स श्री विनीत सरीन और कुल्लू के विधायक श्री सुंदर सिंह ठाकुर ने विजेताओं को चैक और प्रशस्ती पत्र भेंट का सम्मानित किया। बजरंगबली ग्राम वन विकास समिति मंडी को तृतीय पुरस्कार, ग्राम वन विकास समिति डुगीलग को द्वितीय और ग्राम वन विकास समिति कठोगन को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि वन मंडल रोहड़ू के अंतर्गत ग्राम वन विकास समिति बध्यार बजानू को ऑनलाइन माध्यम से सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। इसी तरह से जागृति स्वयं सहायता समूह निचार और अंबिका स्वयं सहायता समूह भुट्टी को तृतीय पुरस्कार, जोगनी माता स्वयं सहायता समूह सरकाघाट को द्वितीय और बृजेश्वरी माता स्वयं सहायता समूह शाहपुर को प्रथम पुरस्कार का खिताब मिला।

## जाइका इंडिया ने परियोजना प्रबंधन को दिए महत्वपूर्ण सुझाव

8 मई 2025 को वन मंडल मंडी में मध्यावधि समीक्षा बैठक हुई। जिसमें परियोजना के अंतर्गत सभी वन मंडलों के अधिकारियों ने भाग लिया। परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा ने मिशन मेंबर्स के समक्ष परियोजना की गतिविधियों पर बेहतरीन प्रस्तुति दी। इस अवसर पर जाइका इंडिया के चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स श्री विनीत सरीन ने परियोजना के तहत चल रहे कार्यों को और अधिक गति देने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। हमें यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि जाइका इंडिया ने हिमाचल में हो रहे कार्यों हिमाचल प्रदेश में आजीविका सुधार, महिला सशक्तिकरण और वन तंत्र प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की जमकर सराहना की।

# कोटखाई में होगी औषधीय पौधों की खेती

- जाइका वानिकी परियोजना ने जाशला गांव में जताई भरपूर संभावना

सेब उत्पादक क्षेत्र कोटखाई में औषधीय पौधों की खेती के लिए जाइका वानिकी परियोजना ने नई पहल शुरू कर दी है। परियोजना ने वन मंडल ठियोग के अंतर्गत वन परिक्षेत्र कोटखाई में गठित ग्राम वन विकास समिति जाशला में औषधीय पौधों की खेती के लिए अपार संभावनाएं जताई है। गत 5 अप्रैल 2025 को जाशला में मैनेजर मार्केटिंग जड़ी बूटी प्रकोष्ठ डा. राजेश चौहान की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें कडु और चिरायता की खेती शुरू करने के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने यहां उपस्थित लोगों को अवगत करवाया कि इन औषधीय पौधों की खेती के लिए यह क्षेत्र जलवायु अनुकूल है। उन्होंने कहा कि इस खेती के लिए जाइका वानिकी परियोजना ग्रामीणों को निशुल्क पौधे उपलब्ध करवाने के साथ–साथ सभी तकनीकी प्रशिक्षण भी देगी। डा. राजेश चौहान ने कहा कि आज के इस दौर में औषधीय पौधों को बाजार में बेहतरीन दाम मिल रहे हैं, जिससे लोग अपनी आर्थिकी को सुदृढ़ कर सकते हैं। वन मंडल ठियोग के विषय वस्तु विशेषज्ञ डा. अभय महाजन और क्षेत्रीय तकनीकी इकाई समन्वयक लोकेंद्र झांगटा भी उपस्थित रहे।

ग्राम वन विकास समिति जाशला के प्रधान प्रदीप लेटका, जयदेवी नंदन स्वयं सहायता समूह की प्रधान प्रेम लता और जय मां चालकाली स्वयं सहायता समूह की प्रधान उषा ने जाइका वानिकी परियोजना की इस महत्वपूर्ण पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में औषधीय पौधों की खेती की भरपूर संभावनाएं हैं, जिसे जन सहभागिता के माध्यम से सफल करेंगे। गौरतलब है कि परियोजना ने बीते वर्ष किन्नौर, आनी और कुल्लू में भी कडु के पांच लाख पौधे जन सहभागिका के माध्यम से रोपे। बताया गया कि इन औषधीय पौधों की खेती पूरी तरह से रसायन मुक्त होती है। इससे जल स्रोतों को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता है। वर्तमान में कडु को स्थानीय बाजार में दो से पांच हजार रूपये प्रति किलोग्राम से हिसाब से कीमत मिल रही है। जबकि चिरायता तीन से पांच सौ रूपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है। बता दें कि जाइका वानिकी परियोजना प्रदेश के जनजातीय जिला किन्नौर, वन मंडल आनी और कुल्लू के विभिन्न क्षेत्रों में औशधीय पौधों की खेती को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए बेहतरीन कार्य कर रही है।

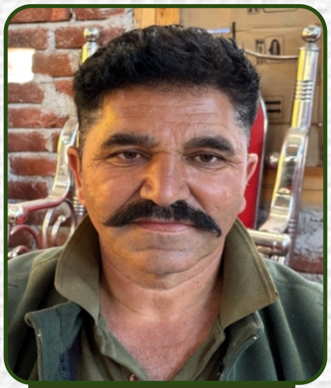

**प्रदीप लेटका**
ग्राम वन विकास समिति जाशला के प्रधान

**प्रेम लता**
जयदेवी नंदन स्वयं सहायता समूह की प्रधान

# परियोजना निदेशक ने स्पीति-किन्नौर में लिया कार्यों का जायजा

**▪12 से 18 अप्रैल 2025 तक 3 वन मंडलों का किया दौरा**

परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा ने 12 से 19 अप्रैल 2025 तक वन मंडल स्पीति, किन्नौर और रामपुर में हो रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अपनी टीम पीएमयू शिमला और सेवानिवृत हिमाचल प्रदेश वन सेवा अधिकारी श्री सीएम शर्मा के साथ तीनों वन मंडलों में परियोजना के कार्यों की समीक्षा की। परियोजना निदेशक ने 12 अप्रैल को किन्नौर वन मंडल के तहत निगुलसरी में विभिन्न स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए उत्पादों का निरीक्षण किया। उन्होंने 14 अप्रैल को वन परिक्षेत्र पूह में विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। परियोजना निदेशक ने ग्यू स्थित स्वयं सहायता समूहों की समस्याएं सुनी। उन्होंने 15 अप्रैल को वन्य प्राणी मंडल स्पीति के अंतर्गत ताबो में ग्राम वन विकास समितियों और स्वयं सहायता समूहों के साथ समीक्षा बैठक की। श्री श्रेष्ठा नंद शर्मा ने डंखर, काजा, शिचलिंग समेत कई स्थानों का दौरा किया, जहां परियोजना के तहत कार्य चल रहे हैं। परियोजना निदेशक ने 17 अप्रैल को किन्नौर वन मंडल के अंतर्गत चांगो गांव में गलीचा तैयार कर रही स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के कार्यों का जायजा लिया और उनके कार्यों की खूब सराहना की। स्पीति दौरे के दौरान परियोजना निदेशक ने विभाग और परियोजना के कर्मचारियों को परियोजना की गतिविधियों को तय समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए।

## बरी और पौंडा में आउटलैट्स का शुभारंभ

परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नन्द शर्मा ने 18 अप्रैल 2025 को वन मंडल किन्नौर के वन परिक्षेत्र निचार के अंतर्गत बरी और पौंडा में मार्केटिंग आउटलेट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वन परिक्षेत्र अधिकारी निचार श्री मौसम धरैक, सेवानिवृत हिमाचल प्रदेश वन सेवा अधिकारी श्री सीएम शर्मा समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बता दें कि बरी और पौंडा मार्केटिंग आउटलैट में पारंपरिक किन्नौरी वस्त्र और किन्नौरी उत्पाद बाजार से सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं।

## वन बल प्रमुख ने छोल्टू में स्टाफ से किया संवाद

वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने 19 अप्रैल 2025 को किन्नौर के छोल्टू में वन मंडल रामपुर और किन्नौर के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने वन विभाग और परियोजना के अधिकारियों और कर्मचारियों से संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनी। वन बल प्रमुख के साथ अतिरिक्त प्रधान मुख्य अरण्यपाल डा. पुष्पेंद्र राणा, मुख्य अरण्यपाल श्री के थिरूमल, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नंद शर्मा, वन मंडलाधिकारी किन्नौर श्री अरविंद कुमार, वन मंडल रामपुर और किन्नौर के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# वानिकी परियोजना करेगी 140 नई वीएफडीएस का गठन

- 16 जून को निदेशक मंडल की 12वीं बैठक में लिया निर्णय
- स्वयं सहायता समूहों को अधिक सशक्त बनाने पर दिया बल

जाइका वानिकी परियोजना प्रदेश की 140 से अधिक पंचायतों में ग्राम वन विकास समितियों का गठन करेगी। यह निर्णय 16 जून 2025 को निदेशक मंडल की 12वीं बैठक में लिया। प्रदेश में हालांकि अभी 400 ग्राम वन विकास समिति और 60 जैव विविधता उप समितियां सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं, लेकिन आजीविका सुधार के क्षेत्र में ग्रामीणों को और अधिक मौका देने के लिए परियोजना ने 140 से अधिक ग्राम वन विकास समितियां गठित करने का निर्णय लिया है। इन्हीं वीएफडीएस के अंतर्गत 280 से अधिक स्वयं सहायता समूहों का भी गठन होगा।

जाइका वानिकी परियोजना की निदेशक मंडल बैठक की 12वीं बैठक राज्य सचिवालय के समिति कक्ष में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता निदेशक मंडल के चेयरमैन एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव वन श्री कमलेश कुमार पंत ने की। बैठक का संचालन वन बल प्रमुख एवं मुख्य परियोजना निदेशक श्री समीर रस्तोगी ने किया। उन्होंने परियोजना की गतिविधियों के बारे प्रस्तुति दी। निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025–26 के लिए प्रस्तावित बजट को मंजूरी दी और अधिकांश महत्वपूर्ण एजेंडे पर संस्तुति जताई। बैठक में पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ श्री अमिताभ गौतम, एपीसीसीएफ आर. लालुन संघा, सीएफ वाइल्ड लाइफ श्रीमति प्रिति भंडारी, परियोजना निदेशक श्री श्रेष्ठा नंद शर्मा, जैव विविधता विशेषज्ञ डा. एसके काप्टा, निदेशक मंडल के सदस्यों समेत परियोजना प्रबंधन इकाई शिमला के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

# मीडिया में जाइका वानिकी परियोजना

**The Summer News Himachal**
8 May ·

जाइका इंडिया ने सराहे हिमाचल में वानिकी परियोजना के कार्य
#JICA #India #praised #forestry #project
#Himachal #thesummernewshimachal

# हिमाचल ने जायका प्रोजेक्ट की एक्सटेंशन मांगी

## 2028 में होगा पूरा, सरकार चाह रही दो साल और बढ़े परियोजना

चीफ रिपोर्टर–शिमला

दिव्य हिमाचल एक्सक्लूसिव

हिमाचल प्रदेश में वन विभाग के तहत चल रहे जायका प्रोजेक्ट को राज्य सरकार ने आगे बढ़ाने के लिए एक्सटेंशन मांगी है। इस परियोजना में जिस गति से काम किया जा रहा है, उससे उम्मीद है कि आने वाले समय में जायका इंडिया इसे एक्सटेंड कर दे। अगर ऐसा होता है तो प्रदेश के 72 वन रेंजों में और अधिक काम होगा और वानिकी के क्षेत्र में तेजी से हिमाचल बढ़ सकेगा। इस परियोजना से प्रदेश को काफी ज्यादा मदद मिली है। बताया जाता है कि जायका इंडिया की टीम यहां आई थी और कई दिनों तक इस टीम ने प्रोजेक्ट की समीक्षा की। इसका मूल्यांकन किया गया है, जिसके बाद जायका इंडिया तय करेगा कि प्रोजेक्ट आगे बढ़ाना है या फिर नहीं। वैसे प्रदेश सरकार की ओर से वन विभाग के मुखिया समीर रस्तोगी ने जायका इंडिया से प्रोजेक्ट को एक्सटेंशन देने की मांग की है। जायका इंडिया ने हिमाचल को वर्ष 2017-18 में जायका प्रोजेक्ट दिया था, जोकि 10 साल की अवधि का था। 2027-28 में यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा, जिसके लिए अभी से एक्सटेंशन की बात की जा रही है। जायका वानिकी परियोजना की मध्यावधि समीक्षा करने के लिए हिमाचल पहुंची जायका इंडिया की टीम ने प्रदेश में हो रहे वानिकी परियोजना के कार्यों की सराहना की है। हिमाचल प्रदेश में अब तक हुए कार्यों की समीक्षा करने के बाद अगले चरण के बारे तय किया जाएगा और जल्दी ही इस पर जवाब दिया जाएगा, ताकि फिर तेजी के साथ काम को आगे बढ़ाया जा सके। वन विभाग की इस परियोजना से गांव स्तर पर लोगों को स्वरोजगार भी दिया जा रहा है और बड़ी संख्या में ग्राम वन विकास समितियां इसमें जुड़ी है। इसमें स्वयं सहायता समूहों की मदद की जा रही है।

### सात जिलों में चल रहा है प्रोजेक्ट

**यह परियोजना** हिमाचल में 460 ग्राम वन विकास समितियों और 920 स्वयं सहायता समूहों को सहायता कर रही है। परियोजना सात जिलों में चल रही है। इसमें किन्नौर, लाहुल-स्पीति, कांगड़ा, बिलासपुर, मंडी, शिमला और कुल्लू शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में आजीविका सुधार, महिला सशक्तिकरण और वन तंत्र प्रबंधन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य हो रहे हैं। जायका परियोजना से हिमाचल प्रदेश के वन क्षेत्रों में काफी ज्यादा सुधार हुआ है।

# इस वर्ष 1820 हैक्टेयर वन भूमि पर रोपे जाएंगे पौधे, जल्द शुरू होगा राज्य स्तरीय पौधारोपण अभियान

- राजीव गांधी वन संवर्द्धन योजना के तहत 600 हैक्टेयर भूमि पर रोपे जाएंगे पौधे

शिमला, 16 जुलाई (भूपिन्द्र): हिमाचल प्रदेश वन विभाग ने इस बार 1820 हैक्टेयर भूमि पर हरियाली लाने का संकल्प लिया है। यानि 1820 हैक्टेयर वन भूमि पर पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत वन विभाग खुद एक हजार हैक्टेयर भूमि पर पौधे रोपेगा, जबकि राजीव गांधी वन संवर्द्धन योजना के तहत 600 हैक्टेयर भूमि पर पौधारोपण करने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में जल्द ही राज्य स्तरीय वन महोत्सव से पौधारोपण अभियान शुरू होगा।

प्रदेश की बंजर जमीन पर हरियाली लाने के लिए वन विभाग ने यह लक्ष्य रखा है। इसके साथ-साथ जायका वानिकी परियोजना ने 220 हैक्टेयर भूमि पर पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, जो विभागीय और जन सहभागिता के माध्यम से पूरा होगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री वन विस्तार योजना के तहत प्रदेश में 100 हैक्टेयर भूमि पर पौधारोपण किया गया।

प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गत 2 जून को हमीरपुर में राजीव गांधी वन संवर्द्धन योजना की शुरूआत की। इस योजना के तहत प्रदेश की 600 हैक्टेयर जमीन पर पौधे रोपे जाएंगे। यह योजना न सिर्फ वन क्षेत्र बढ़ाने पर केंद्रित है, बल्कि स्थानीय समुदायों को आजीविका और रोजगार के नए अवसर भी देती है।

बताया गया कि इस योजना के तहत बंजर भूमि पर फलदार वृक्ष लगाए जाएंगे, जिससे पर्यावरण को लाभ मिलेगा और लोगों को फल उत्पादन के माध्यम से आर्थिक मदद मिलेगी।

> वन विभाग बंजर वन भूमि पर प्राथमिकता के आधार पर पौधे लगाएगा। विभाग ने इस बार अपने स्तर पर एक हजार हैक्टेयर भूमि पर पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है, इसके साथ-साथ राजीव गांधी वन संवर्द्धन योजना के तहत 600 हैक्टेयर और जायका वानिकी परियोजना ने 220 हैक्टेयर भूमि पर पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है। कुल मिलाकर 1820 हैक्टेयर भूमि पर पौधे रोपे जाएंगे।
> –समीर रस्तोगी, वन बल प्रमुख एवं सी.पी.डी. जायका।

यह एक दोहरा लाभ देने वाली योजना है।

# सशक्तिकरण की मिसाल, जाइका वानिकी परियोजना की टीम ने की कार्यों की समीक्षा

By **विरेंद्र भारद्वाज** — May 8, 2025 No Comments
2 Mins Read

**मंडी, 8 मई :** जाइका वानिकी परियोजना की मध्यावधि समीक्षा करने के लिए जाइका इंडिया की टीम वीरवार को मंडी जिला के बिहनधार पहुंची। जहां पर परियोजना के कार्यों की समीक्षा की गई। टीम के प्रतिनिधियों ने इस क्षेत्र में हो रहे वानिकी परियोजना के कार्यों की सराहना की। मध्यावधि समीक्षा के मिशन मेंबर एवं जाइका इंडिया के चीफ ऑफ़ डेवलपमेंट ऑपरेशन्स विनीत सरीन ने यहां ग्राम वन विकास समिति और स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों से सीधा संवाद किया।

mbmnewsnetwork.com

**The Tribune**
VOICE OF THE PEOPLE

Trending | Videos | India | Opinions | Sports

Home / Himachal Pradesh / Jica Team Arrives For Mid Term R

# JICA team arrives for mid-term review of forestry project

TRIBUNE NEWS SERVICE
Shimla, Updated At : 02:30 AM May 08, 2025 IST

**First Verdict**

सेब उत्पादन के लिए प्रसिद्ध कोटखाई क्षेत्र अब औषधीय पौधों की खेती के नए अवसर देख रहा है। जाइका वानिकी परियोजना ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वन मंडल ठियोग के अंतर्गत वन परिक्षेत्र कोटखाई की ग्राम वन विकास समिति जाशला में औषधीय पौधों की खेती की अपार संभावनाओं पर जोर दिया है। हाल ही में जाशला में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में, जड़ी बूटी प्रकोष्ठ के मैनेजर मार्केटिंग राजेश चौहान ने ग्रामीणों को कडु और चिरायता जैसे मूल्यवान औषधीय पौधों की खेती शुरू करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को बताया कि इस क्षेत्र की जलवायु इन पौधों की खेती के लिए [redacted] अनुकूल है। परियोजना की ओर से ग्रामीणों को [redacted]ल निशुल्क पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, बल्कि उन्हें खेती से संबंधित सभी आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। राजेश चौहान ने वर्तमान बाजार परिदृश्य पर प्रकाश

firstverdict.com

# शिमला जिले के कोटखाई में होगी औषधीय पौधों की खेती, जाइका वानिकी परियोजना ने जाशला गांव में जताई भरपूर संभावना

By admin
APR 7, 2025

# JICA team arrives for mid-term review of forestry project

SHIMLA, MAY 7

A team from JICA India is currently in the state for the mid-term review of the forestry project, which started in 2018 and will continue till 2028. As per the project spokesperson, the team arrived in Kullu on Monday and praised the progress and implementation of the initiative in the state.

Vineet Sareen, Chief of Development Operations at JICA India and a member of the mid-term review mission, said the team would outline the next phase of the project after reviewing the work done so far under the project.

Sareen said the project was currently supporting 460 Village Forest Development Societies and 920 self-help groups across the state, and making a significant contribution to livelihood improvement, women empowerment and forest ecosystem management. —TNS

A JICA India team in Shimla.

जिला किन्नौर के छोल्टू में वन विभाग और परियोजना के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ सामुहिक चित्र में वन बल प्रमुख श्री समीर रस्तोगी।

देहरा में परियोजना से जुड़ी महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित करते वन बल प्रमुख श्री समीर रस्तोगी।


**विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें**

## मुख्य परियोजना निदेशक, जाइका वानिकी परियोजना

नजदीक मिल्कफैड निगम, टुटू शिमला-11 हिमाचल प्रदेश

दूरभाषः 0177.28372172837317/2838217

email: cpdjica2018hpfd@gmail.com https://jicahpforestryproject.com

**अतिरिक्त परियोजना निदेशक अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इकाई**

जाइका वानिकी परियोजना, कुल्लू। दूरभाषः 01902-226636, ई0 मेलः pdjicakullu@gmail.com